स्वच्छ भारत
सम्पूर्ण स्वच्छता की ओर

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA

G20 भारत 2023 INDIA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छता समाचार

संस्करण 2 | अंक 5 | जनवरी 2023

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण समाचारपत्र

@SwachhBharat facebook.com/SBMgramin @SwachhBharatGrameen @swachh_bharat

सचिव की कलम से

सभी को समृद्ध, स्वस्थ और स्वच्छ, 2023 की हार्दिक शुभकामनाएं! वर्तमान में सतत विकास ही स्वीकार्य प्रगति है। बढ़ती जनसंख्या, तेजी से शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय प्रदूषण के साथ, हमें संसाधन प्रबंधन के रैखिक दृष्टिकोण की अपेक्षा, एक देश के रूप में, एक चक्रीय अर्थव्यवस्था परक दृष्टिकोण की ओर गतिमान रहने की आवश्यकता है। सरकार सक्रिय रूप से नीतियां तैयार कर रही है और देश को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहन दे रही है जिसकी बनावट और आन्तरिक सतत क्रियाशील और पुनर्स्थापनात्य हों। इसी माह आयोजित होने वाले मुख्य सचिवों के सम्मेलन के लिए एक प्रारंभिक कदम के रूप में, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने "जैविक और सूखे कचरे में चक्रीयता" के कार्यान्वयन के लिए एक रोडमैप तैयार करने हेतु भाग लिया था। हम भारत सरकार के अन्य मंत्रालयों/विभागों, राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों और अन्य प्रमुख हितधारकों के सहयोग से रोडमैप को लागू करने की उम्मीद करते हैं।

विनी महाजन
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग,
जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाएं

रेट्रोफिट-टू-ट्विनपिट अभियान

स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (SBM-G) एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (IMIS) पर नियमित रूप से अद्यतन की जा रही प्रविष्टियों की संख्या के साथ, रेट्रोफिट टू **ट्विनपिट** अभियान में काफी प्रगति हुई है, जिसके तहत 16, दिसंबर, 2022 के अनुसार, 3601 एक गड्ढे शौचालयों को दो गड्ढों वाले शौचालयों में परिवर्तित किया गया है और 1246 सेप्टिक टैंक वाले शौचालयों को सोखता गड्ढों से जोड़ा गया है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 2 अक्टूबर, 2022 को स्वच्छ भारत दिवस समारोह के दौरान 'रेट्रोफिट टू **ट्विनपिट** अभियान' का शुभारंभ किया। यह अभियान एक आसान ऑन-साइट पद्धति के माध्यम से मलीय कचरे के सुरक्षित निपटान को बढ़ावा देता है।

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

अभियान (जो 26 जनवरी, 2023 को समाप्त होगा) के उद्देश्य

- SBM-G- चरण 2 और मलीय कचरा प्रबंधन (FSM) मैनुअल के दिशानिर्देशों के अनुसार नए IHHL में केवल दो गड्ढो वाले शौचालयों के निर्माण को बढ़ावा देना
- मौजूदा एक गड्ढे वाले शौचालयों को दो गड्ढो वाले शौचालयों में परिवर्तित करना
- मौजूदा सेप्टिक टैंक शौचालयों को रेट्रोफिट करके, उन्हें सोखता गड्ढों से जोड़ना
- ग्रामीण परिवारों में मलीय कचरे के सुरक्षित निपटान के बारे में जागरूकता लाना

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2023 कार्य प्रगति पर

स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG), जो राज्यों और जिलों को प्रमुख मात्रात्मक और गुणात्मक SBM-G मापदंडों के संबंध में उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंक प्रदान करता है, जो प्रगति पर है। SSG 2023 टूलकिट और SSG 2023 डैशबोर्ड का माननीय जल शक्ति मंत्री द्वारा India water week के दौरान 2 नवंबर, 2022 को शुभारंभ किया गया था।

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

SSG 2023 के उद्देश्य

- गांव, ग्राम पंचायत, जिला और राज्य स्तरों पर व्यापक भागीदारी का सृजन करना; और SBM-G - चरण 2 तथा ODF-प्लस पहल के संबंध में उत्साह पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करना
- ODF-प्लस मॉडल गांव के घटकों के बारे में समुदाय के बीच जागरूकता लाने के लिए प्रणाली और प्रक्रियाओं का उपयोग करना
- सहकर्मी सत्यापन के माध्यम से भागीदारी मूल्यांकन और सीखना
- बेहतर प्रदर्शन के लिए पंचायतों, जिलों और राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का सृजन करना
- राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरों पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करना और उन्हें सम्मानित करना।

ODF-प्लस वर्टिकल संबंधी कहानियां

ठोस कचरा प्रबंधन

केरल के चेम्नाड को अनुकरणीय कचरा प्रबंधन हेतु बढ़ावा देना

केरल के कासरगोड जिले में चेमनाड पंचायत, जो 23 वार्डों से बना है, अपशिष्ट प्रबंधन में अपने खराब प्रदर्शन से सर्वश्रेष्ठ में से एक में परिवर्तित हो। यह पंचायत द्वारा नियुक्त एक ग्रीन कंसल्टेंट के समर्थन से संभव हुआ।

पंचायत में बदलाव नाटकीय थे, यह देखते हुए कि यह पहले अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में पंचायतों की लाल सूची में दिखाई दिया था, जिसमें 85% परिवार अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं से कवर नहीं थे। हरित कर्म सेना (HKS) - ग्रीन टास्क फोर्स से एक ग्रीन कंसल्टेंट की नियुक्ति के बाद; कवर न किए गए परिवारों को 15% तक लाया गया था। संख्या के मामले में अपशिष्ट सेवाओं वाले परिवारों का कवरेज 2492 परिवारों से बढ़कर 12524 परिवार हो गया।

संपर्क करेः
akhilesh@washinstitute.org

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

गंदला जल प्रबंधन

पुदुचेरी में गंदला-जल के प्रबंधन के लिए सामुदायिक सोखता-गड्ढों का निर्माण

पुडुचेरी में गंदला-जल के प्रबंधन को एक समस्या नहीं बल्कि एक अवसर मानते हुए, संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी विभिन्न गांवों में ऐसे सामुदायिक सोखता गड्ढों - गोल चौकोर दोनों प्रकार के - का निर्माण कर रहा है जो परिवारों और संस्थानों द्वारा उत्पन्न समस्त गंदला-जल का समुचित निपटान प्रभावी रूप से करता है।

सामुदायिक लीच पिट्, पारिवारिक लीच पिट् का ही एक विस्तारित रूप है; जहां कई घरों को एक ही गड्ढे से जोड़ा जा सकता है। यह विकल्प उन क्षेत्रों में अपनाया जाता है जहां जगह की कमी होती है या व्यक्तिगत परिवार के आसपास के क्षेत्र में पारगम्य मिट्टी उपलब्ध नहीं होती है। जिन क्षेत्रों में बहुत अधिक गंदला जल का उत्पन्न होता है जैसे कि स्कूल, रेस्तरां, सामुदायिक स्टैंड तालाब, आदि, उनमें उत्पन्न गंदला जल की मात्रा के आधार पर सामुदायिक लीच पिट विधि को अपनाना प्रेयस्कर है।

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

मलीय कचरा और सेप्टेज प्रबंधन

ढेंकानाल, ओडिशा में मलीय कचरा प्रबंधन के लिए क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण

यह दृष्टिकोण ग्रामीण परिवारों के बीच FSM सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में शहरी-ग्रामीण अभिसरण का एक अनूठा दृष्टिकोण है। वर्ष 2020-2021 में, यूनिसेफ और उसके सहयोगियों ने ओडिशा के ढेंकानाल जिले में एक मॉडल का संचालन किया, जिसमें एक कार्यात्मक शहरी मलीय कचरा शोधन संयंत्र (FSTP) था और सार्वजनिक रूप से डीस्लजिंग ट्रक चलाते थे। इस मॉडल के तहत एक पांच-चरणीय दृष्टिकोण अपनाया गया जिसमें डेटा-आधारित स्थितिजन्य मूल्यांकन, मॉडल विकास, हितधारक परामर्श, शहरी-ग्रामीण साझेदारी का कानूनी औपचारिकरण और क्षमता निर्माण शामिल थे। इसके कार्यान्वयन पर, साझेदारी ने ग्रामीण स्वच्छता सेवा श्रृंखला का कायाकल्प कर दिया और इसके परिणामस्वरूप कार्यान्वयन के पहले 5 महीनों के भीतर ग्रामीण परिवारों से 278 KL मलीय कचरे का सुरक्षित संग्रह, परिवहन और शोधन हुआ। चूंकि भारत और अन्य विकासशील देशों में ग्रामीण शासन 2030 तक सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं, अतः शहरी-ग्रामीण साझेदारी मॉडल पर चर्चा की गई, इससे FSM सेवाओं को तेजी से बढ़ाने के लिए एक व्यवहार्य मार्ग निकल सकता है।

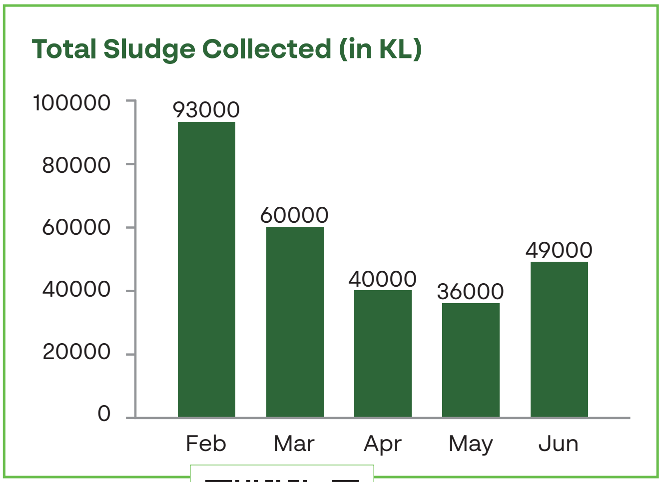

इसके बारे में और अधिक जानने के लिए,
कृपया इस लिंक पर ईमेल करें: ssaxena@unicef.org

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

स्वच्छता चैंपियन

भाग्गा सिंह चाय वाला प्लास्टिक कचरे के बदले चाय और नाश्ता प्रदान करता है

भग्गा सिंह चाय वाला की चाय की दुकान पर लिखा वाक्य, "प्लास्टिक कचरा लाओ, चाय/कॉफी और नाश्ता प्राप्त करो" एक अच्छी पहल है जिसका उद्देश्य राजस्थान के राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाना है।

स्थानीय बस स्टैंड पर चाय की दुकान चलाने वाले इस कल्पनाशील चाय की दुकान के मालिक ने स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण में सदैव सहयोग किया है, यहां तक कि अभियान के चरण -1 के दौरान भी, उस दौरान उनके बोर्ड पर यह पढ़ा गया कि जो अपने घरों में शौचालयों का उपयोग नहीं करते हैं, उन्हें चाय नहीं दी जाएगी।

इसके बारे में और अधिक जानने के लिए,
कृपया इस लिंक पर ईमेल करें: nanalalsalvi@gmail.com

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

क्षमता संवर्धन

बदायूं, उत्तर प्रदेश में SBM-G गतिविधियों को कार्यान्वित करने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के स्वच्छता कार्यबल में यह सुनिश्चित करने के लिए कि जिले के सभी गांव जल्द ही ODF-प्लस बन जाएं, उसमें महिलाओं को शामिल किया गया है और उन्हें स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) - चरण 2 के दिशानिर्देशों के अनुसार ठोस और तरल कचरा प्रबंधन (SLWM) गतिविधियों को कार्यान्वित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

SBM-G के तहत, 56 गांवों को मॉडल ODF-प्लस गांवों में बदलने के लिए चुना गया है, जिनमें सभी प्रकार के कचरे का प्रबंधन करने और दृष्टि से स्वच्छ दिखने की व्यवस्था की गई है। इसमें सहायता करने के लिए, जिला प्रशासन की मंशा ठोस कचरे के डोर-टू-डोर संग्रह के लिए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रिक्शा और ई-रिक्शा प्रदान करने का रहा है।

इसके बारे में और अधिक जानने के लिए,
कृपया इस लिंक पर ईमेल करें: sschauhanetw@gmail.com

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

नवाचार

चिकन अपशिष्ट से निपटने के लिए सुचित्व मिशन

सुचित्व मिशन के तहत पिछले दो वर्षों में केरल के 10 जिलों में 40 चिकन, गैर-पोल्ट्री अपशिष्ट निपटान संयंत्र चालू हो गए हैं। अन्य चार जिले भी शीघ्र ही इसी तरह के संयंत्र खोलेंगे। यह मिशन केरल सरकार के स्थानीय स्वशासन विभाग के तहत अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में एक तकनीकी सहायता समूह है।

यह पहल महत्वपूर्ण है क्योंकि वर्षों से गैर-पोल्ट्री कचरे के अकुशल हैंडलिंग से जल निकायों के प्रदूषण और राज्य के भीतर आवारा कुत्तों की आबादी में वृद्धि हुई है।

चकिन कचरा नपिटान संयंत्र, सार्वजनकि-नजिी भागीदारी मॉडल के तहत स्थापति कए गए हैं।

इसके बारे में और अधिक जानने के लिए,
कृपया इस लिंक पर ईमेल करें: atrmsw@gmail.com

प्रस्तुतिकरण को देखने के लिए, QR कोड स्कैन करें या यहां क्लिक करें

स्वच्छता समाचार

स्वच्छता मुस्कान सुधीर डार के साथ

DDWS द्वारा सामयिक पहलें

'जैवकि और शुष्क कचरे की चक्रीयता संबंधी रूपरेखा': DDWS, जल शक्ति मंत्रालय ने MoHUA, MoEFCC, NIUA और CSE India जैसे क्षेत्र के विशेषज्ञों और हितधारकों के सहयोग से देश के लिए एक ऐसी मजबूत व्यावहारिक रूपरेखा विकसित करने के लिए 'जैविक और शुष्क कचरे की चक्रीयता' पर कई बार परामर्शीय बैठकों का आयोजन किया गया, जिसे सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा आसानी से अनुकूलित और कार्यान्वित किया जा सकता है। इस रोडमैप को सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा आसानी से अनुकूलनीय और कार्यान्वित करने योग्य बनाने की कल्पना की जा रही है।

तरल कचरा प्रबंधन पर सार-संग्रह: DDWS ने 19 नवंबर, 2022 (विश्व शौचालय दिवस) को तरल अपशिष्ट प्रबंधन (LWM) प्रौद्योगिकियों पर एक व्यापक ई-सार-संग्रह जारी किया ताकि राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को प्रभावी ढंग से गंदला जल के प्रबंधन में सहायता मिल सके। इस संग्रह-सामग्री को https://jalshakti-ddws.gov.in/whats-new पर देखा जा सकता है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट द्वारा FSM के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन किया है: विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लगभग 37 प्रतिभागियों ने मलीय कचरे के ऑनसाइट और ऑफसाइट शोधन तथा रिसोर्स रिकवरी प्रशिक्षण में भाग लिया। यह प्रशिक्षण 22 से 25 नवंबर, 2022 तक राजस्थान में आयोजित किया गया था।

रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान: वर्तमान में 19 नवंबर, 2022 से 26 जनवरी, 2023 तक चलाया जा रहा यह अभियान ट्विन पिट शौचालयों के निर्माण, मौजूदा सिंगल पिट शौचालयों को ट्विन पिट शौचालयों में बदलने और सेप्टिक टैंक शौचालयों को सोखता गड्ढों से जोड़ने को बढ़ावा देता है।

रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान के लिए IEC सामग्री: DDWS ने गाइड बुक्स, तकनीकी पोस्टरों, वीडियो और एनिमेशन सहित रेट्रोफिट टू ट्विन पिट अभियान के संबंध में IEC सामग्री की एक श्रृंखला विकसित की है जिसका उपयोग राज्य और संघ राज्य क्षेत्र इस अभियान को बढ़ावा देने के लिए कर सकते हैं। संग्रह-सामग्री को https://swachhbharatmission.gov.in/SBMCMS/retrofit.htm पर देखा जा सकता है।

MHM पर राष्ट्रीय फिल्म प्रतियोगिता: मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन विषय पर ग्राम पंचायतों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की फिल्म प्रतियोगिता 19 नवंबर, 2022 से 8 मार्च, 2023, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस तक आयोजित की जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए, इस लिंक ://innovateindia.mygov.in/ film-competition-2022/ पर देख सकते हैं।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

Office of the Secretary
Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shakti
Government of India.
4th Floor, Pandit Deendayal Antyodaya Bhawan, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24362192 | Email: secydws@nic.in

Newsletter made with support from UNICEF India